एम.ए. सेमेस्टर I(संस्कृत)

प्रश्न पत्र कूट संख्या 105

प्रश्न पत्र – V , व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम – **75 अंक**

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी (तद्धित प्रकरण –शैषिक पर्यन्त)
2. कारक प्रकरण (सिद्धान्त–कौमुदी का)
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम दो खण्डो तथा पाँच इकाईयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्न लिखित है –

पाठ्यक्रम की इकाईयॉ –

प्रथम इकाई – इसके अन्तर्गत निम्न लिखित प्रत्ययों का अध्ययन आवश्यक है –
साधारण तद्धित प्रत्यय, अपत्यार्थ तद्धित प्रत्यय, रक्ताऽऽद्यर्थक तद्धित प्रत्यय,।
द्वितीय इकाई – चातुरार्थिक तद्धित प्रत्यय और शैषिक तद्धित प्रत्यय
तृतीय इकाई – प्रथमा विभक्ति से चतुर्थी पर्यन्त
चतुर्थ इकाई – पंचमी विभक्ति से सप्तमी पर्यन्त
पंचम इकाई – हिन्दी से संस्कृत मे अनुवाद

खण्ड –अ (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत ,विकल्प रहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे । ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयो से समानरूप से सम्बद्ध होंगे ।

खण्ड – ब(व्याख्यात्मक भाग) **65 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न शतप्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे । इनमे से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400शब्दों मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 13–13 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाग निम्न प्रकार होगा –

(क) तद्धित प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी –प्रारम्भ से रक्ताऽऽद्यर्थक पर्यन्त) से **छः** शब्द देकर सूत्र निर्देश पूर्वक तीन की सिद्धि पूछी जाएगी । **13 अंक**

(ख) तद्धित प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी –चातुरर्थिक से शैषिक पर्यन्त) से **छः** शब्द देकर सूत्र निर्देश पूर्वक **तीन** की सिद्धि पूछी जायेगी । **13 अंक**

(ग) कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी –प्रथमा विभक्ति से चतुर्थी विभक्ति तक) से **छः** सूत्र अथवा वार्तिक देकर **तीन** की व्याख्या पूछी जाएगी । **13 अंक**

(ध) कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी –पंचमी विभक्ति से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त)से **छः** सूत्र अथवा वार्तिक देकर तीन सूत्रो की व्याख्या पूछी जाएगी । **13 अंक**

(ड.) हिन्दी भाषा मे विकल्पसहित एक (लगभग सात वाक्यों वाला) अवतरण संस्कृत भाषा मे अनुवाद करने के लिये दिया जायेगा । **13 अंक**

सहायक पुस्तके :–

1. कारक –प्रकरण – व्याख्या श्री धरानन्द शास्त्री
2. कारक प्रबोध – डॉ .शक्ति कुमार शर्मा
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी – व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री
5. संस्कृत व्याकरण – अर्कनाथ चौधरी
6. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – कपिल देव द्विवेदी
7. वृहद्नुवाद चन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल हंस
8. सिद्धान्त कौमुदी – द्वितीय भाग , पं. बालकृष्ण व्यास